ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 04-09-2025

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-09-04 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2025-09-05	2025-09-06	2025-09-07	2025-09-08	2025-09-09
वर्षा (मिमी)	5.0	10.0	10.0	10.0	20.0
अधिकतम तापमान(से.)	34.0	34.0	34.0	34.0	34.0
न्यूनतम तापमान(से.)	25.0	25.0	25.0	25.0	25.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	89	86	87	88	89
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	90	85	90	90	90
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	4	7	7	4	3
पवन दिशा (डिग्री)	100	110	120	160	100
क्लाउड कवर (ओक्टा)	6	7	8	8	7
चेतावनी	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि

पूर्वानुमान सारांश:

पिछले सप्ताह (28 अगस्त से 3 सितंबर) क्षेत्र में 320.4 मिमी वर्षा हुई और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 25.2 से 34.0oC और 23.4 से 26.0oC के बीच रहा। सुबह और शाम की सापेक्षिक आर्द्रता क्रमशः 76-98% और 69-93% के बीच रही, जबकि हवा पूर्व-दक्षिण-पूर्व, पूर्व, दक्षिण-दक्षिण-पूर्व और पूर्व-दक्षिण दिशा से 4.6-9.0 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली। पिछले सप्ताह अधिकांश दिन बारिश वाले दिन थे। आगामी पूर्वानुमान के अनुसार 5-20 मिमी की बहुत हल्की से मध्यम वर्षा और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 34.0oC और 25.0oC रहने की उम्मीद है। हवा पूर्व-दक्षिण, पूर्व-दक्षिण-पूर्व, दक्षिण-पूर्व-पूर्व और दक्षिण-दक्षिण-पूर्व दिशा से 3-7 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने की उम्मीद है। आगामी सप्ताह के दौरान आंधी/बिजली गिरने, तीव्र वर्षा होने के संबंध में पीली चेतावनी दी गई है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

अलग-अलग स्थानों पर आंधी/बिजली और तीव्र वर्षा के संबंध में पीली चेतावनी।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

चेतावनी के तहत किसी बड़े नुकसान की आशंका नहीं है। हालाँकि, जलभराव से बचने के लिए उचित जल निकासी व्यवस्था बनाए रखी जानी चाहिए।

सामान्य सलाहकार:

किसान और अन्य संबंधित समुदाय नियमित मौसम की जानकारी और वर्षा अलर्ट के लिए "मौसम" ऐप डाउनलोड कर सकते हैं। "मेघदूत" और "दामिनी" जैसे अन्य ऐप भी क्रमशः मौसम संबंधी और बिजली संबंधी आंकड़ों के नियमित अपडेट के लिए उपलब्ध हैं। सभी ऐप्स गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ता) से आसानी से डाउनलोड किए जा सकते हैं। विस्तारित अवधि का पूर्वानुमान 05.09.2025 से 11.09.2025 के दौरान सामान्य वर्षा, सामान्य अधिकतम तापमान और सामान्य से अधिक न्यूनतम तापमान का रुझान दर्शाता है।

लघु संदेश सलाहकार:

आईएमडी की चेतावनी के अनुसार, नियमित कृषि गतिविधियां जारी रखी जानी चाहिए तथा उपज हानि से बचने के लिए रोग/कीटों के विरुद्ध छिड़काव किया जाना चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	फसल में अब पुष्पगुच्छ बनने शुरू हो जाएँगे, जिसके दौरान उचित नमी होने पर यूरिया की टॉप ड्रेसिंग करनी होगी और खेत में जल निकासी की व्यवस्था करनी होगी। फसल पर जीवाणु झुलसा रोग का प्रकोप हो सकता है, इसलिए रोग को फैलने से रोकने के लिए जल निकासी के उचित उपाय करने चाहिए और जलभराव की स्थिति से बचना चाहिए। इसके साथ ही, नाइट्रोजन का प्रयोग बंद कर देना चाहिए और रोग के अत्यधिक प्रकोप की स्थिति में, 15 ग्राम स्ट्रेप्टोसाइक्लिन + 500 ग्राम कॉपर ऑक्सीक्लोराइड को 1000 लीटर पानी में मिलाकर प्रति हेक्टेयर की दर से केवल साफ या हल्की वर्षा की स्थिति में ही प्रयोग करना चाहिए। तना छेदक कीटों के आक्रमण और उनकी ईटीएल से ऊपर उपस्थिति की स्थिति में, क्लोरेंट्रानिलिप्रोएल 20 एस सी 150 मिली प्रति हेक्टेयर की दर से या फिप्रोनिल 5 एससी 1.0 लीटर या 600 ग्राम कार्टाप हाइड्रोक्लोराइड 50 डब्लूपी या 2.5 लीटर क्लोरपाइरीफोस 20 ईसी को 500-600 लीटर पानी में प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करना चाहिए। सामान्य कीट, यानी ब्राउन प्लांट हॉपर के प्रकोप पर, किसानों को ट्राइफ्लुमेज़ोपाइरिम 10 एससी 235 मिली/ फिप्रोनिल 5 एससी 1000 मिली/ बुप्रोफेज़िन 25 एससी 1 लीटर/ थियामेथोक्सम 25 डब्लूएसजी 100 ग्राम को 500 लीटर पानी में मिलाकर प्रति हेक्टेयर छिड़काव करना चाहिए। छिड़काव तने के पास करना चाहिए। कम प्रकोप होने पर बुप्रोफेज़िन, अधिक प्रकोप होने पर ट्राइफ्लुमेज़ोपाइरिम और तना छेदक + ब्राउन प्लांट हॉपर के आक्रमण पर फिप्रोनिल 5 एससी का प्रयोग करना चाहिए। तेज़ हवा चलने पर इन सभी छिड़कावों से बचना चाहिए।
गन्ना	लाल सड़न रोग के सबसे आम लक्षण मानसून के बाद दिखाई देते हैं और कटाई तक बने रहते हैं। इसके लिए किसानों को अपने खेतों को साफ-सुथरा रखना ज़रूरी है। रोगग्रस्त गन्नों को जड़ से उखाड़कर जला देना चाहिए ताकि आगे प्रसार न हो। रोगग्रस्त गन्नों को पूरी तरह नष्ट करना और उपचारित बीजों का उपयोग सर्वोत्तम निवारक उपाय हैं। आवश्यकतानुसार, दो पंक्तियों के तीन डंठलों को आपस में बाँध देना चाहिए (कैंची से बाँधना)। सफेद इल्ली के संक्रमण की स्थिति में, फिप्रोनिल 40 प्रतिशत और इमिडाक्लोप्रिड 40 प्रतिशत डब्लूजी 200 ग्राम प्रति एकड़ को 500 लीटर पानी में घोलकर खेत में डालना चाहिए। तेज़ हवा चलने पर इस छिड़काव से बचना चाहिए।
मक्का	जैसे ही भुट्टों में बीज भरने लगें, खेत में उचित नमी बनाए रखनी चाहिए। कीटों का प्रकोप दिखाई देने पर उचित कृषि उपाय किए जाने चाहिए। मैदानी क्षेत्रों में फॉल आर्मीवर्म के आक्रमण की स्थिति में, क्लोरेंट्रानिलिप्रोएल 18.5 एससी 0.4 मिली/लीटर पानी की दर से छिड़काव करना चाहिए। ब्लाइट (पीले या भूरे रंग के अंडे के आकार के धब्बे) दिखाई देने पर मैंकोज़ेब या ज़िनेब 75 डब्ल्यूपी 1.5-2.0 किग्रा 750-800 लीटर पानी में प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें। दूसरा छिड़काव 10-15 दिनों के अंतराल पर करना चाहिए। तेज़ हवा चलने पर सभी छिड़कावों से बचना चाहिए।
काला चना	अंतिम माह में बोई गई फसल में निराई-गुड़ाई का कार्य करना चाहिए तथा फसल की आवश्यकता के अनुसार खेत में उचित नमी बनाए रखनी चाहिए।
मूँग	अंतिम माह में बोई गई फसल में निराई-गुड़ाई का कार्य करना चाहिए तथा फसल की आवश्यकता के अनुसार खेत में उचित नमी बनाए रखनी चाहिए।
सोया बीन	चूंकि फसल फली विकास अवस्था में प्रवेश कर रही है, इसलिए खेत में उचित नमी बनाए रखनी चाहिए।
मूँगफली	टिक्का रोग में पत्तियों पर हल्के भूरे रंग के गोलाकार धब्बे बनते हैं, जिनके चारों ओर निचली सतह पर पीले रंग के घेरे होते हैं। इसके उपचार के लिए क्लोरोथेनोनिल 2 किग्रा/ मैन्कोजेब 80% 2 किग्रा/ प्रोपिकोनाजोल

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
	25 ईसी 500 मिली को 800 से 1000 लीटर प्रति हेक्टेयर की दर से घोलकर 10-12 दिनों के अंतराल पर 2-3 बार छिड़काव करना चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
गोभी	फूलगोभी, पत्तागोभी और नोल-खोल की 4-6 सप्ताह पुरानी 4-6 पत्ती वाली पौध इस महीने में रोपी जा सकती है। खराब होने से बचाने के लिए खेत में उचित जल निकासी की व्यवस्था होनी चाहिए।
मूली	इस महीने के दौरान मूली की यूरोपीय किस्में, गाजर की एशियाई और यूरोपीय किस्में और चुकंदर की किस्में बोई जा सकती हैं।
मिर्च	मिर्च की फसल की ऊपरी टहनी सूखने पर और काली पड़ने पर, संक्रमित शाखाओं को तोड़कर हटा देना चाहिए ताकि फसल को बचाया जा सके। फसल को सड़ने से बचाने के लिए, साफ़ या हल्की बारिश वाले मौसम में 0.1% कार्बेन्डाजिम घोल का छिड़काव करें। खेत में उचित जल निकासी की व्यवस्था होनी चाहिए और तेज़ हवा चलने पर छिड़काव से बचना चाहिए।
पपीता	पपीते में कॉलर रॉट रोग होने पर, मेटालैक्सिल + मैन्कोज़ेब (रिडोमिल गोल्ड) 2 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव बहुत प्रभावी पाया गया है। छिड़काव 10 दिनों के अंतराल पर दोहराया जा सकता है। तेज़ हवा चलने पर छिड़काव से बचना चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	मादा बछड़ियों का दूध छह महीने के बाद ही छुड़ाना चाहिए, ताकि उनका शारीरिक विकास अच्छे से हो सके। शेड का रखरखाव अच्छी तरह से किया जाना चाहिए, भारी बारिश से बचाव के लिए उचित सुरक्षा व्यवस्था होनी चाहिए और बीमारियों से बचाव के लिए जल निकासी की उचित व्यवस्था होनी चाहिए।
भेंस	'फुटरोट' रोग से बचाव के लिए, खुरों को कम से कम 3 दिनों तक सुबह और शाम 2-3 मिनट के लिए 10% फॉर्मेलिन घोल या 5% नीले घोल में डुबोकर रखना चाहिए। शेड का रखरखाव अच्छी तरह से किया जाना चाहिए, भारी बारिश से बचाव के लिए उचित सुरक्षा व्यवस्था होनी चाहिए और रोग के प्रसार को रोकने के लिए जल निकासी की उचित व्यवस्था होनी चाहिए।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

कोई अतिशय प्रभाव नहीं देखा जाएगा।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

कोई अत्यधिक प्रभाव नहीं। हालाँकि, खेत में उचित जल निकासी और नमी बनाए रखनी चाहिए और तेज़ हवाओं में छिड़काव से बचना चाहिए।

Farmers are advised to download Unified ﾊMausamﾊ and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/

Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details

Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details